प्रेस विज्ञप्ति

सर्वांगीण विकास के लिए मानव मूल्यों की स्थापना आवश्यक

इंजीनियरिंग छात्रों एवं शिक्षकों के लिये " मानव मूल्य अवधारणा " विषय पर डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा कार्यशाला का आयोजन

डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उ0प्र0, लखनऊ (पूर्ववर्ती, उ0प्र0प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ) द्वारा आयोजित कार्यशाला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति के साथ सार्वभौमिक मानव मूल्य अवधारणा की स्थापना पर बल दिया गया। एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20 सितम्बर,. 2015 को जे0एस0एस0 इंस्टी0, नोयडा में किया गया।

कुलपति, प्रो0 विनय कुमार पाठक ने कहा कि व्यक्ति के अन्तःकरण में मानव मूल्यों का अभाव ही समाज में अपराध को जन्म देता है। यही कारण है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति के बावजूद अपराध दर में निरन्तर वृद्धि हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा हमारी अगली पीढ़ियों के बौद्धिक स्तर को सतत विकास की अवस्था में लाने का माध्यम है। मानव मूल्यो की इसी महत्ता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो0 प्रेमव्रत ने ह्यूमन वैल्यूस एवं प्रोफेसनल एथिक्स विषय को फाउण्डेशन कोर्स के रूप मे शामिल किया था। आज यह फाउण्डेशन कोर्स देश के सात प्रदेशों के 33विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम का अंग है।

प्रो0 पाठक ने सूचना दी कि विश्वविद्यालय के अगले शैक्षिक सत्र से मानव मूल्य विषय को आवश्यक क्रेडिट कोर्स के रूप में मान्यता दी जायेगी। इस विषय के लिये प्रशिक्षित शिक्षको की व्यवस्था की जायेगी। इसके अतिरिक्त अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिये इस विषय से संबंधित एक इण्टरएक्टिव वेबसाइट भी लांच की जायेगी। विश्वविद्यालय के ह्यूमन वैल्यू सेल में उपरोक्त कियाकलापों की जिम्मेदारी महाराणा प्रताप इंजी0 कालेज, कानपुर के श्री भानुप्रताप सिंह को दी गई।

कार्यशाला में जे0एस0एस0 इंस्टी0 के प्राचार्य डा0 के0 कमल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सभी डीन्स, 73सम्बद्ध संस्थानों के प्रबन्ध समिति के सदस्यों/निदेशक/शिक्षक/छात्र ने भाग लिया। कार्यशाला के अन्त में विश्वविद्यालय के डीन (शोध एवं विकास) प्रो0 सी0वी0 त्रिपाठी, डीन, छात्र कल्याण प्रो0 कुलदीप सहाय, डीन (यू0जी0) प्रो0 ए0के0 कटियार तथा डीन (पी0जी0) प्रो0 एच0के0 पालीवाल ने कार्यशाला में प्रस्तुत विषय वस्तु का सारांश प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन डा0 मनीषी मिश्रा ने किया।

Ashish 22/9/15

(आशीष मिश्र)